नॉर्दर्न टेरिटरी सरकार

एवियन इंफ्लुएंजा (बर्ड फ्लू)

सूचित करें, रोकथाम करें और तैयारी करें।
कई बीमार या मृत पक्षियों के दिखाई देने पर सूचित करें।

THE TERRITORY

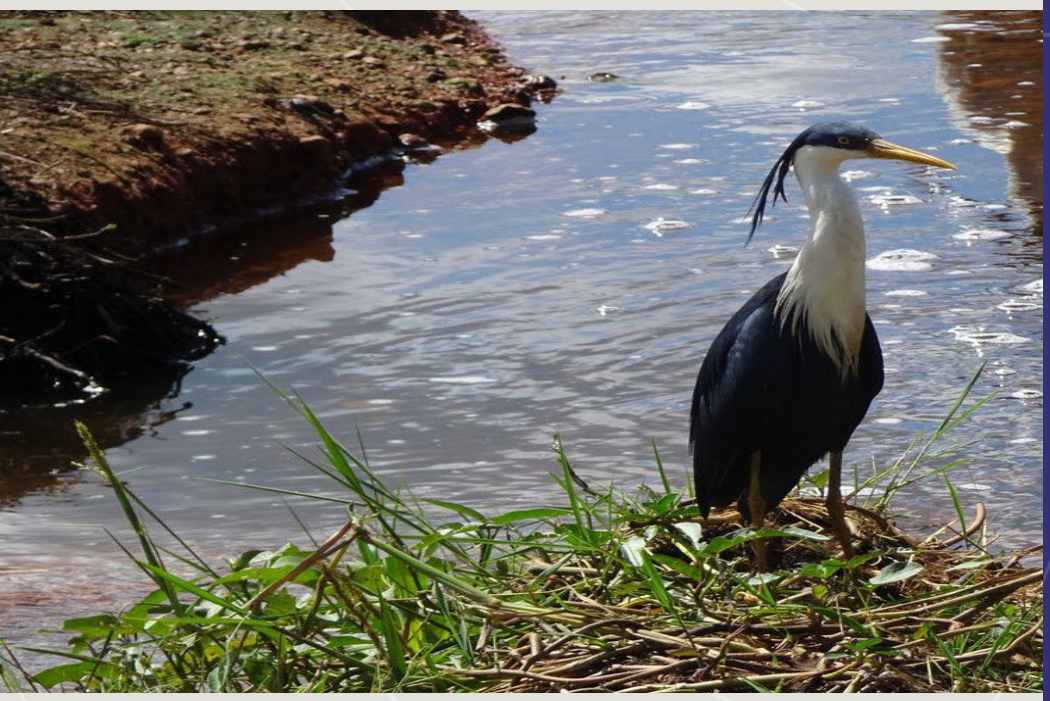

एवियन इंफ्लुएंजा पक्षियों से होने वाला वायरल रोग है।
बायोसिक्योरिटी (जैव-विविधता) प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है। यदि आपको कई बीमार या मृत पक्षी दिखाई दें, तो उन्हें न छुएँ।
24 घंटे की आपातकालीन पशु रोग हॉटलाइन को 1800 675 888 पर इस बारे में सूचित करें।

एवियन इंफ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) क्या है?

एवियन इंफ्लुएंजा (AI), जिसे आम तौर पर बर्ड फ्लू के नाम से जाना जाता है, दुनिया भर में पक्षियों से होने वाला संक्रामक वायरल रोग है और ऑस्ट्रेलिया में इसके होने का पता चला है। AI वायरस के कई स्ट्रेन (प्रारूप) हैं। वायरस के उच्च स्तरीय रोगजनक स्ट्रेन (HPAI) नॉर्दर्न टेरिटरी में कभी भी पाए नहीं गये हैं। AI वायरस अधिकतर जंगली पक्षियों में फैलता है जिससे कोई बीमारी नहीं होती या केवल हल्की बीमारी ही होती है। लेकिन, जब वायरस के कुछ स्ट्रेन घरेलू पोल्ट्री जैसे कि मुर्गियों, बत्तखों, हंस, टर्की और कबूतरों को संक्रमित करते हैं, तो उनसे गंभीर बीमारी पैदा हो सकती है।

दुर्लभ मामलों में, AI वायरस के कुछ स्ट्रेन मनुष्यों में भी बीमारी पैदा कर सकते हैं यद्यपि मनुष्यों के बीच संक्रमण का अभी तक कोई सबूत नहीं मिला है।

AI कैसे फैलता है?

AI जंगली पक्षियों द्वारा फैलता है, जो भोजन या पानी की आपूर्ति को दूषित कर देते हैं। प्रवासी पक्षियों (मुख्य रूप से दक्षिण पूर्व एशिया के आस-पास के देशों से आने वाले तटीय और जलचर पक्षियों) से उस समय खतरा हो सकता है जब वे AI से संक्रमित होते हैं और फिर ऑस्ट्रेलिया में आकर खानाबदोश जलपक्षियों के साथ मिलते हैं और संक्रमण को फैला देते हैं। फिर इन खानाबदोश पक्षियों से घरेलू पक्षियों जैसे पोल्ट्री और कबूतरों में यह संक्रमण फैल सकता है।

यह बीमारी जानवरों के आपसी संपर्क, एक-दूसरे को काटने और खरोंचने, तथा संक्रमित जीवित पक्षियों, पोल्ट्री उत्पादों या दूषित चारा, उपकरण और सामग्री की आवाजाही से भी फैलती है। यह बीमारी मल, पंखों, अंडों या मांस और पानी में पनप सकती है।

NORTHERN TERRITORY GOVERNMENT

ध्यान देने योग्य बातें

यदि आपको किसी पक्षी में निम्नलिखित कोई भी लक्षण नज़र आता है, तो उसके साथ किसी भी तरह का संपर्क न रखें:

- असमन्वय, कंपन, बिना दिशा के गोल-गोल तैरना
- खड़े होने या उड़ने में असमर्थता होना
- गर्दन टेढ़ी होना या अन्य असामान्य मुद्रा
- सांस लेने, खांसने या छींकने में कठिनाई होना
- सिर, गर्दन और आंखों के आसपास सूजन
- हिलने, खाने या पीने में सुस्ती और अनिच्छा प्रकट करना
- अंडे के उत्पादन में कमी होना
- भूख न लगना
- आँखों में धुंधलापन आना या आँखों का रंग बदलना
- पानी जैसे पतले दस्त का होना
- अचानक से मृत्यु होना।

पक्षियों के मालिक

- अपने उपकरण और पोल्ट्री यार्ड या पक्षीशाला को साफ रखें।
- अपने पक्षियों और जंगली पक्षियों के मध्य किसी भी प्रकार के संपर्क को रोकें।
- मल या अन्य पशु अपशिष्ट से चारा और पानी को दूषित न होने दें।
- अपने पक्षियों के पास आने वाले आगंतुकों को सीमित करें।
- नए पक्षियों को क्वॉरन्टीन में रखें और उन्हें अपने मौजूदा झुंड में शामिल करने से पहले कम से कम 30 दिनों तक उन पर नज़र रखें।
- बीमारी के लक्षणों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।
- कई बीमार या मृत पक्षियों के दिखाई देने पर तुरंत सूचित करें।

बायोसिक्योरिटी और रिपोर्टिंग

- आप चाहे ऑस्ट्रेलिया में कहीं भी हों - यदि आप बैकयार्ड पोल्ट्री, पालतू पक्षी या रेसिंग कबूतर रखते हैं, तो अपने पक्षियों की सुरक्षा के लिए आपको कुछ आसान से कार्य करने की आवश्यकता है।
- अपने पक्षियों को सर्वोत्तम रूप से सुरक्षित रखने के लिए सरल बायोसिक्योरिटी चरणों का पालन करें।
- यद्यपि जंगली पक्षियों की आवाजाही को नियंत्रित नहीं किया जा सकता है, लेकिन बीमारी के फैलाव को रोकने का सबसे सही तरीका बायोसिक्योरिटी उपाय ही है।

सूचना कैसे प्रदान करें

यदि आप अपने पक्षियों में किसी भी तरह का कोई भी असामान्य लक्षण देखते हैं या आपको यह ज्ञात होता है कि उनमें से कई थोड़े ही समय के भीतर मर गए हैं, तो सतर्क रहें और तुरंत अपने स्थानीय पशु चिकित्सक या 24 घंटे की आपातकालीन पशु रोग हॉटलाइन को **1800 675 888** पर सूचित करें।

एवियन इंफ्लुएंजा के बारे में और अधिक जानकारी

नवीनतम जानकारी के लिए, फेसबुक पर बायोसिक्योरिटी नॉर्दर्न टेरिटरी को देखें।

एवियन इंफ्लुएंजा (बर्ड फ्लू) के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए QR कोड को स्कैन करें या **nt.gov.au/avian-influenza** पर जाएँ

ऑस्ट्रेलियाई सरकार द्वारा **outbreak.gov.au** पर सभी वर्तमान बायोसिक्योरिटी प्रतिक्रिया संबंधी गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रकाशित की जाती है।